ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारत: लोग और अर्थव्यवस्था

अध्याय - 9

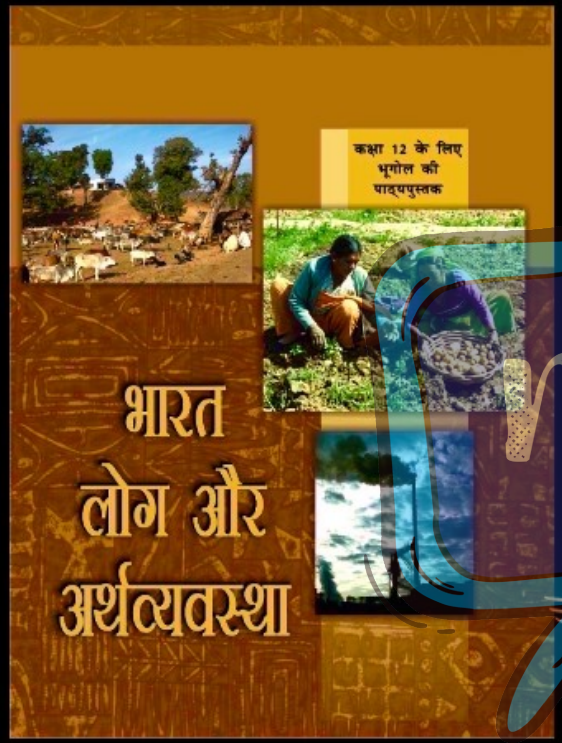
भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

भाग - 2

पंकज वैष्णव

ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



→

विषय-सूची

	आमुख	iii
	पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन	v
	इकाई I	
1.	जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन	1-14
	इकाई II	
2.	मानव बस्तियाँ	15-20
	इकाई III	
3.	भूसंसाधन तथा कृषि	21-40
4.	जल-संसाधन	41-52
5.	खनिज तथा ऊर्जा संसाधन	53-64
6.	भारत के संदर्भ में नियोजन और सततपोषणीय विकास	65-73
	इकाई IV	
7.	परिवहन तथा संचार	74-83
8.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	84-92
	इकाई V	
9.	भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ	93-103
	परिशिष्ट	104-111
	शब्दावली	112
	संदर्भ पुस्तकें	113-114

© NCERT not to be republished

C-2 : प्रवास - प्रकार, कारण, परिणाम ✗

C-3 : मानव विकास ✗

C-4 : निर्माण उद्योग ✗

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मुद्दे / समस्याएँ

1. प्रदूषण –
2. नगरों में कचरे की समस्या
3. प्रवास – ग्रामीण → शहरी
4. गंदी बस्तियों की समस्या
5. भूमि निम्नीकरण



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

पर्यावरण प्रदूषण



- मानवीय क्रियाकलाप → अपशिष्ट उत्पाद → प्रदूषण
- प्रदूषण के प्रकार :-
  - (i) जल प्रदूषण
  - (ii) वायु प्रदूषण
  - (iii) भू-प्रदूषण
  - (iv) ध्वनि प्रदूषण

प्रदूषण के प्रकार एवं स्रोत

प्रदूषण	सन्निहित प्रदूषण	प्रदूषण के स्रोत
वायु प्रदूषण	सल्फर के ऑक्साइड (SO_2 , SO), नाइट्रोजन ऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, हाइड्रो कार्बन, अमोनिया, सीसा, एल्डेहाइड्स एस्बेस्टोज़, बेरिलियम	कोयले, पेट्रोल व डीज़ल का दहन (जलना), औद्योगिक प्रक्रम, ठोस कचरा, वाहित मल

तालिका 9.1

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

जल प्रदूषण	निलंबित ठोस कण, अमोनिया और यूरिया, नाइट्रेट और नाइट्राइट्स, क्लोराइड्स, फ्लोराइड्स, कार्बोनेट्स, तेल और ग्रीस, कीटनाशकों के अवशेष, टैनिन, कोलीफार्म MPM (जीवाणु गणना), सल्फेट्स और सल्फाइड्स, भारी धातुएँ (सीसा, आर्सेनिक, पारा, मैंगनीज़), रेडियोधर्मी पदार्थ	वाहित-मल, नगरीय वाही-जल, उद्योगों के विषाक्त पदार्थ, कृषित भूमि के ऊपर से बहता जल, नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

भूमि प्रदूषण	मानव और पशु मल; विषाणु और जीवाणु; कीटनाशक और उर्वरक अवशिष्ट; फ्लोराइड्स; रेडियोधर्मी पदार्थ	अनुपचारित औद्योगिक-अपशिष्ट; कीटनाशक और उर्वरकों का उपयोग
ध्वनि प्रदूषण	सहन क्षमता से अधिक ऊँची ध्वनि का स्तर	वायुयान; मोटर-वाहन; रेलगाड़ियाँ; औद्योगिक प्रक्रम; विज्ञापन-मीडिया

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

गंगा-नदी प्रदूषण

- यद्यपि नदी-प्रदूषण सभी नदियों से संबंधित है लेकिन गंगा-नदी का प्रदूषण सभी के लिए चिंता का विषय है (गंगा-नदी घनी आबादी वाले क्षेत्रों से बहती है)

गंगा-नदी की स्थिति में सुधार के लिए राष्ट्रीय-स्तर पर गंगा सफ़ाई राष्ट्रीय अभियान शुरू किया गया था; ('नमामि गंगे' कार्यक्रम इसी से संबंधित)

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

नमामि-गंगे कार्यक्रम

- नदी के रूप में गंगा का राष्ट्रीय महत्व
- प्रदूषण को नियंत्रित करके नदी के संपूर्ण मार्ग की सफाई की आवश्यकता
- केंद्र सरकार ने 'नमामि गंगे' कार्यक्रम आरंभ



ipca
A dose of life

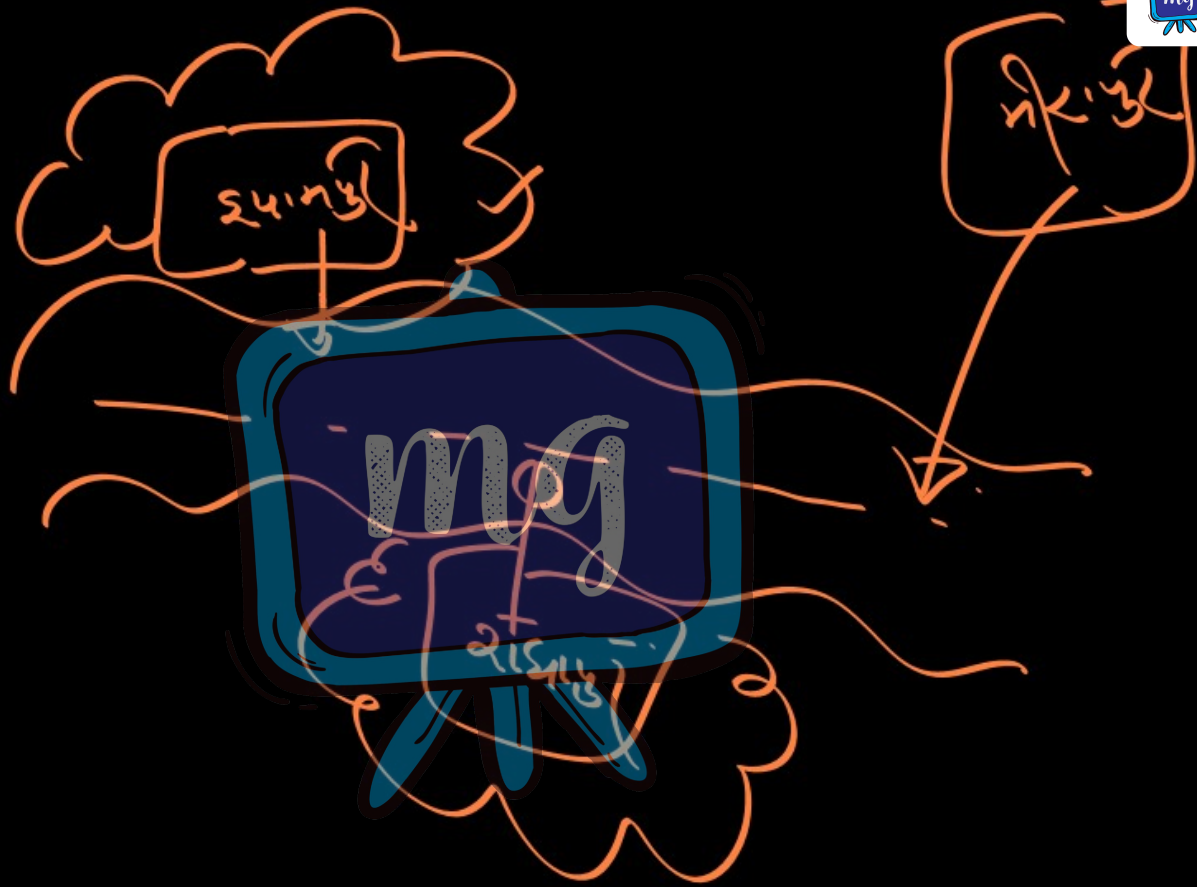
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ



उद्देश्य

- शहरों में सीवर-ट्रीटमेंट की व्यवस्था
- औद्योगिक-प्रवाह की निगरानी
- नदियों का विकास
- नदी के किनारों पर वनीकरण
  (जैव-विविधता में वृद्धि)
- नदियों के तल की सफाई
- 'गंगा-ग्राम' का विकास
  (उत्तराखंड, यू.पी., बिहार, झारखंड)
- लोगों में जागरूकता पैदा करना


mg

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

वायु प्रदूषण

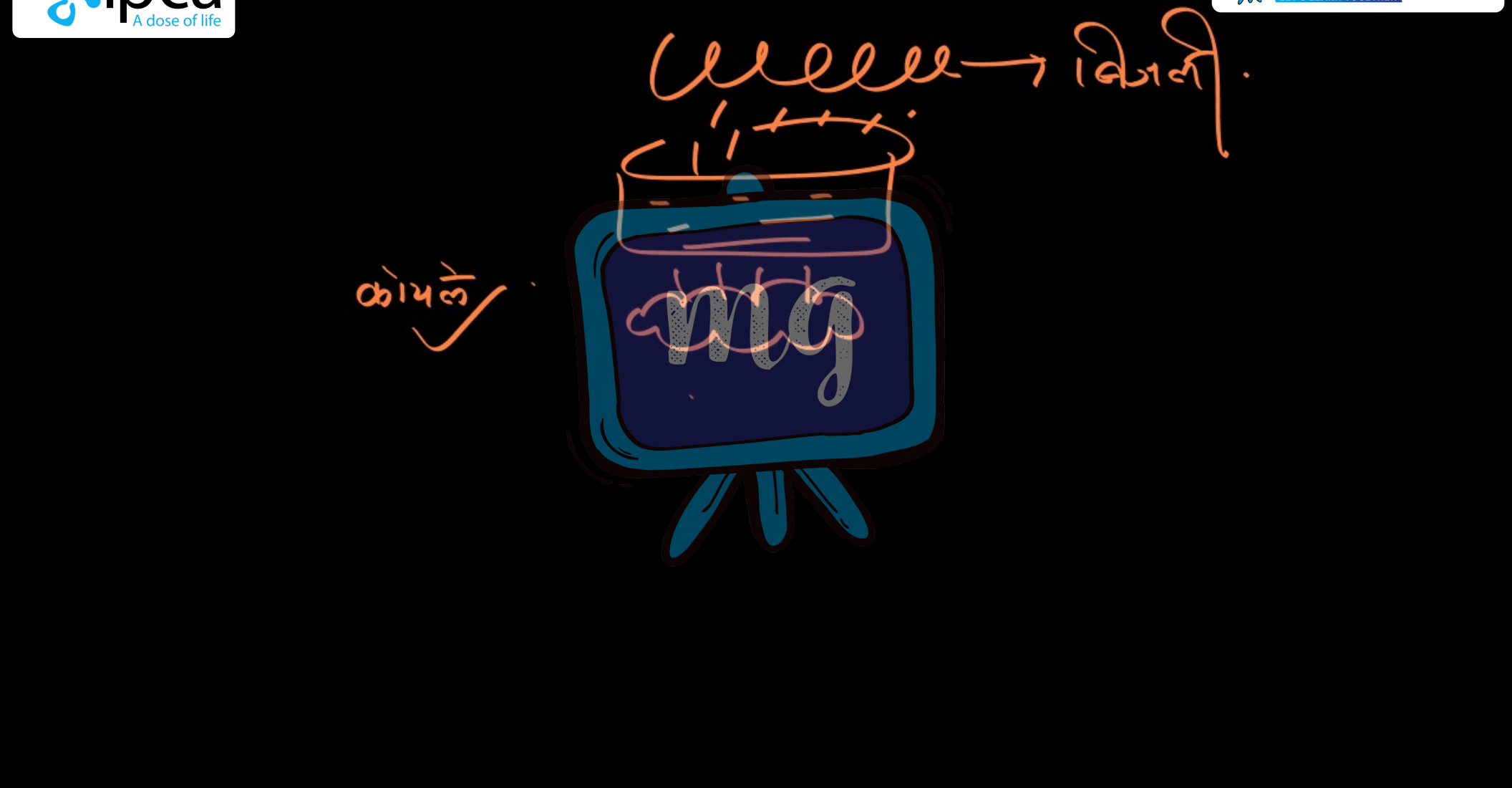
- वायु में धूल, धुआँ, गैस, दुर्गंध, वाष्प आदि संदूषकों की मात्रा और अवधि में वृद्धि, जो मनुष्यों, जंतुओं और संपत्ति के लिए हानिकारक

- ऊर्जा हेतु विभिन्न-प्रकार के ईंधनों के प्रयोग में वृद्धि; पर्यावरण में विषाक्त धुएँ वाली गैसों का अधिक उत्सर्जन

परिणाम → वायु-प्रदूषण

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ





- **वायु प्रदूषण के प्रमुख स्त्रोत**
  - जीवाश्म ईंधन
  - खनन
  - उद्योग
- इनसे वायु में सल्फर एवं नाइट्रोजन के ऑक्साइड, कार्बन-डाइऑक्साइड, कार्बन-मोनोक्साइड, हाइड्रोकार्बन, सीसा, एस्बेस्टस मुक्त

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ



वायु-प्रदूषण के प्रभाव

- मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत घातक
  (श्वसन-तंत्र, तंत्रिका-तंत्र, रक्त संचार-तंत्र संबंधी विभिन्न बीमारियाँ)
- शहरी धूम्र-कुहरा (नगरों के ऊपर कुहरा)
- अम्ल वर्षा

गर्मियों के बाद पहली बरसात में pH का स्तर बाद की बरसातों से कम होता है

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

ध्वनि प्रदूषण

- विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न ध्वनि का मानव की सहनीय सीमा से अधिक तथा असहज होना
- विभिन्न प्रकार के प्रौद्योगिकीय-अन्वेषणों के चलते हाल के वर्षों में एक गंभीर समस्या
- प्रमुख स्रोत

उद्योग;
मशीनीकृत निर्माण, तोड़-फोड़ कार्य;
मोटर-वाहन, वायुयान

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- सायरन, लाउडस्पीकर, फेरी-वाले, विभिन्न उत्सव संबंधी कार्यों से होने वाली आवधिक-शोर को भी जोड़ा जा सकता है

ध्वनि-स्तर को डेसीबल के संदर्भ में मापा जाता है

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- ध्वनि-प्रदूषण के सभी स्त्रोतों में यातायात द्वारा पैदा किया गया शोर सबसे बड़ी समस्या

कारण

इसकी तीव्रता और प्रकृति निम्न कारकों पर निर्भर:-

- वायुयान / वाहन / रेलगाड़ी का प्रकार
- सड़कों की दशा
- वाहन की स्थिति

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- समुद्री-यातायात में शोर की तीव्रता माल को चढ़ाने व उतारने का निपटान करने वाले पत्तन तक सीमित रहती है

- ध्वनि-प्रदूषण स्थान विशिष्ट होता है

इसकी तीव्रता प्रदूषण के स्रोत (औद्योगिक-क्षेत्र, परिवहन-मार्ग, हवाई-अड्डे) से दूर कम होती जाती है

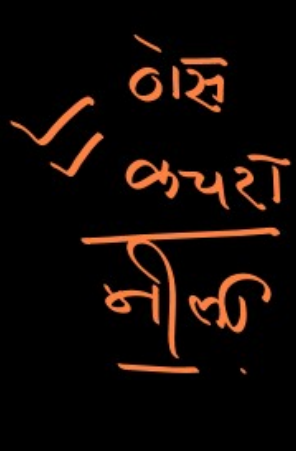
2. नगरीय अपशिष्ट निपटान (नगरों में कचरे की समस्या)

- नगरीय क्षेत्रों को प्रायः भीड़-भाड़, तेज़ बढ़ती जनसंख्या के लिए अपर्याप्त सुविधाएँ, साफ़-सफ़ाई की खराब स्थिति, प्रदूषित-वायु के रूप में पहचाना जाता है

- विभिन्न स्त्रोतों द्वारा जनित अपशिष्ट की मात्रा बहुत अधिक होती जा रही है

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- ठोस कचरे के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के पुराने और प्रयुक्त सामान शामिल किये जाते है:-



- जंग लगी पिनें
- काँच के टूटे सामान
- प्लास्टिक के डिब्बे
- पोलीथिन-थैलियाँ
- रद्दी कागज
- सीडी

इस सामान को कूड़ा-करकट, रद्दी, कबाड़ कहते हैं

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- **ठोस-कचरे के स्त्रोत**
  - (i) घरेलू प्रतिष्ठान
  - (ii) व्यावसायिक प्रतिष्ठान

→ **घरेलू कचरा** :- सार्वजनिक-भूमि
या
निजी ठेकेदारों के स्थलों पर

→ **औद्योगिक/व्यावसायिक कचरा** :-
संग्रहण एवं निपटान नगरपालिकाओं द्वारा;
निचली सतह की सार्वजनिक जमीन (गड्ढों) पर

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

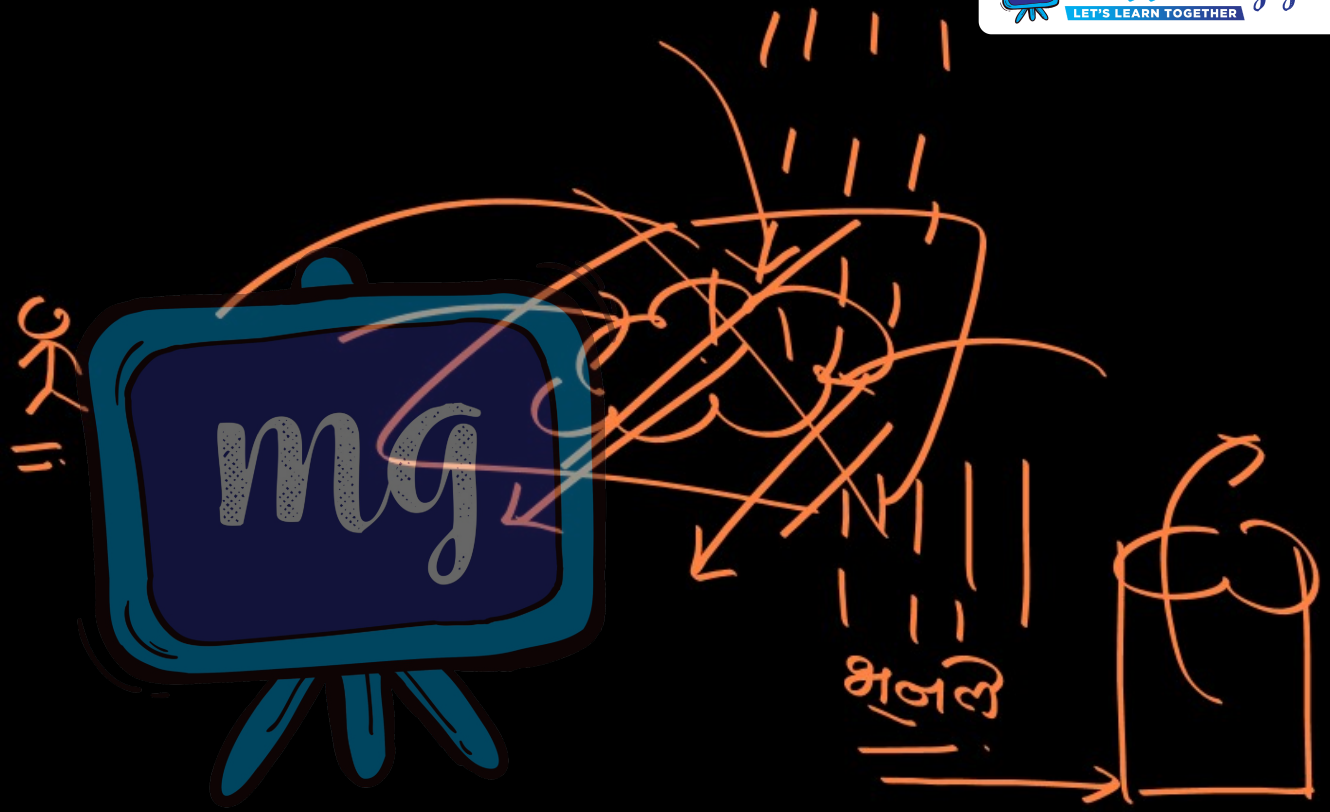
- कारखानों, विद्युत-घर, भवन-निर्माण से भारी मात्रा में निकली राख, मलबे के कारण गंभीर समस्याएँ
- ठोस अपशिष्ट → बदबू, मक्खियां, कृंतक (चूहे)

स्वास्थ्य संबंधी जोखिम
(टाइफाइड, डिप्थीरिया, दस्त, हैजा)

हवा से फैलने, बरसाती पानी से छितरने के कारण → परेशानी

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- नगरों के आसपास औद्योगिक इकाइयों के बढ़ने से औद्योगिक-कचरे में वृद्धि
- औद्योगिक कचरे को नदियों में डालने से जल-प्रदूषण

नगरीय उद्योगों और अनुपचारित वाहित-मल

↓

नदियों का प्रदूषण

↓

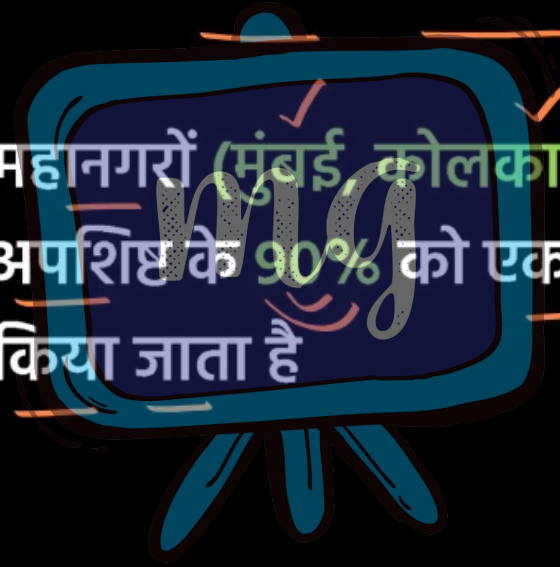
स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएँ

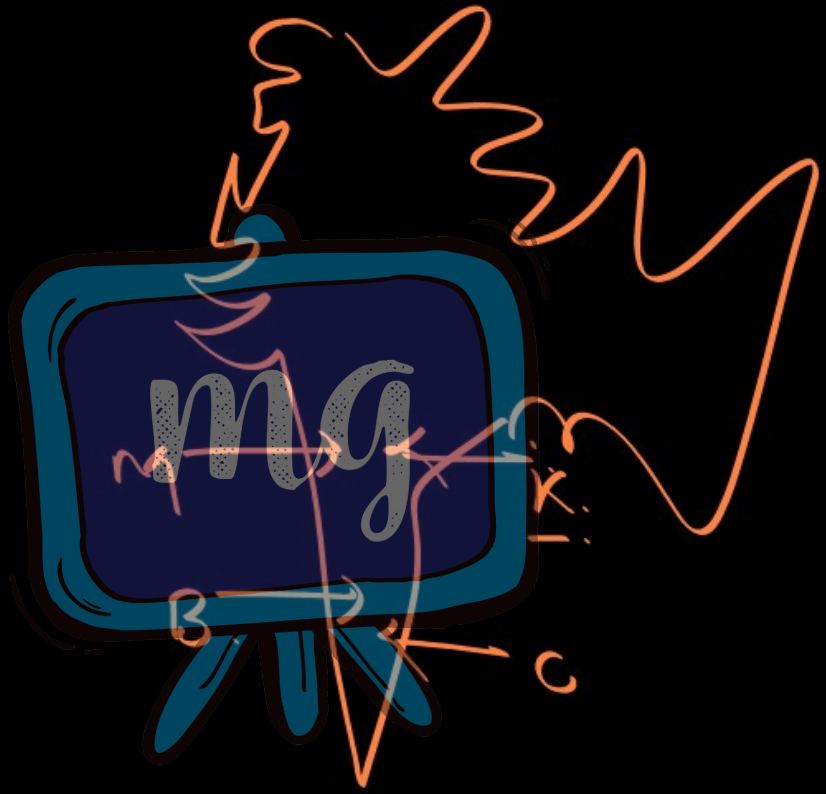
ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- भारत में नगरीय-अपशिष्ट निपटान एक गंभीर समस्या
- महानगरों (मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलूरु) में ठोस अपशिष्ट के 90% को एकत्रित करके उसका निपटान किया जाता है




mg

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- लेकिन, देश के **अधिकांश शहरों** में अपशिष्ट का **30-50%** कचरा बिना एकत्र किए छोड़ दिया जाता है

  गलियों में, घरों के पीछे, खुली जगहों पर इकट्ठा;
  जिसके कारण स्वास्थ्य संबंधी गंभीर जोखिम

- अनुपचारित अपशिष्ट धीरे-धीरे सड़ते हैं और वातावरण में विषाक्त गैसें छोड़ते हैं (**मिथेन गैस**)

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ



- इन अपशिष्टों को उपचारित कर संसाधन में बदलना चाहिए
  - गैस
  - कंपोस्ट (खाद)